लक्ष्य प्राप्ति की ओर: युवा एवं विश्वव्यापी एक्सेस 2010

विश्वव्यापी (यूनिवर्सल) एक्सेस क्या है?

विष्वव्यापी एक्सेस सभी जरूरतमंदों में एचआईवी की रोकथाम, जांच, उपचार, सेवा और सहायक सुविधाएं उपलब्ध कराने का एक वैश्विक प्रयास है। यह प्रतिबद्धता सभी देशों के मूल्यांकन, समयबद्ध तथा यथार्थ राष्ट्रीय लक्ष्य पर आधारित है। वर्ष 2001 में, एचआईवी/एड्स (UNGASS) पर संयुक्त राष्ट्र जनरल असेंबली के विशेष सत्र में सदस्य देशों ने समयबद्ध लक्ष्य प्राप्ति की एक श्रृंखला को अपनाया था, जिसे 2006 तक एड्स[i] पर एक उच्चस्तरीय बैठक के दौरान दोहराया गया। विष्वव्यापी एक्सेस ग्लेनजीगल्स में, वर्ष 2005 में, G8 की बैठक के दौरान निर्धारित किया गया था और इसे गरीबी पर एक विश्व सम्मेलन तथा वर्ष 2006 में, UNGASS की उच्चस्तरीय बैठक में दोहराया गया।

विशेष तौर पर, विष्वव्यापी एक्सेस का मतलब ''दुनियाभर में सभी लोगों को उन दवाओं जो एचआईवी संक्रमण को रोकेगी; एचआईवी से पीड़ित व्यक्ति, उसके परिवार को सहायता, जो उसकी देखभाल कर रहा है और एचआईवी से पीड़ित होने के बावजूद दीर्घकाल तक जीवित रहने एवं एड्स संबंधी बीमारियों को फैलने से रोकने; एड्स संक्रमित परिवारों को इसके असर को और उनके अपने परिवारों और समुदायों में मृत्यु का असर कम करने में सहयोग करने सहित शिक्षा और सलाह, बहुक्षेत्रीय परिचर्या और सहयोग सेवाएं तथा स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना'' है।[ii]

हम विष्वव्यापी एक्सेस के लक्ष्य प्राप्ति के वर्ष 2010 लक्ष्य से मात्र दो वर्ष दूर हैं। इस दिशा में तरक्की तो हुई लेकिन लक्ष्य प्राप्ति अभी कोसों दूर है। 'सहस्राब्दी विकास लक्ष्य संख्या 6' में विष्वव्यापी एक्सेस की तात्कालिक जरूरत को इंगित करता है: एचआईवी तथा मलेरिया एवं अन्य बड़ी बीमारियों[iii] का फैलाव रोकने और उनकी उल्टी गिनती के लिए, इसने लक्ष्य वर्ष 2015 तय किया है। वर्ष 2007 तक, अनुमानतः एचआईवी संक्रमित 3 करोड़ 32 लाख लोग थे, जिनमें 54 लाख लोग 15 से 24 वर्ष की आयु के थे।[iv] लिंग असमानता के कारण युवा महिलाओं में (विशेषकर विवाहितों में) कंडोम के इस्तेमाल के बारे में चर्चा और सुविधाओं के इस्तेमाल में कमी देखी गई है। मौजूदा समय में, उप–सहारा अफ्रीका क्षेत्र में, यह तथ्य दिखाई देता है कि प्रति युवा व्यक्ति के मुकाबले तीन युवा महिलाएं इस बीमारी से संक्रमित हैं।[v]

विश्वव्यापी एक्सेस की ओर

एचआईवी/एड्स के बारे में 2006 में उच्चस्तरीय बैठक की राजनीतिक घोषणा में स्पष्ट किया गया है कि युवाओं के लिए व्यापक, प्रमाण आधारित रोकथाम योजनाओं के क्रियान्वयन द्वारा एचआईवी मुक्त भावी पीढ़ी सुनिष्चित करने की जरूरत है।[vi] इस घोषणा में इंगित विशेष मतों में शामिल हैं:

- **उन व्यापक रोकथाम योजनाओं के क्रियान्वयन के प्रति वचनबद्धता जिसमें जिम्मेदार यौन व्यवहार के साथ कंडोम के इस्तेमाल और एचआईवी तथा एड्स शिक्षा, जानकारी, स्वयंसेवी सलाह और परीक्षण एवं सहायक सेवाओं को एक्सेस करने के लिए प्रोत्साहन की शपथ शामिल हो;**
- **एचआईवी एवं अन्य असुरक्षित समूहों वाले व्यक्तियों के साथ जुड़े हर प्रकार के कलंक और भेदभाव को दूर करने के प्रयासों को तेज करने के प्रति वचनबद्धता; और**
- **लिंग विभेद और लिंग आधारित शोषण और हिंसा दूर करना, और महिलाओं और लड़कियों की विशेषकरस्वास्थ्य परिचर्या और सेवा प्रावधान के माध्यम से एचआईवी संक्रमण से स्वयं को बचाने की क्षमता में विकास करना।**

सन 2001 की एचआईवी/एड्स पर समादेश घोषणा (Doc) विशेष रूप से एचआईवी के प्रति संघर्ष में युवाओं की भूमिका पहचानती है, ''एचआईवी/एड्स से पीड़ित लोगों, युवाओं और नागरिक समाज के कार्यकर्ताओं का एचआईवी/एड्स समस्या के प्रत्येक पहलू के विमर्श में असाधारण योगदान, और एचआईवी/एड्स महामारी की रोकथाम हेतु असरकारी प्रयासों के डिजाइन, योजना, अमलीकरण और कार्यक्रमों के विकास का कार्य करती है।''

हम कहां तक पहुंचे हैं?

सन् 2006 की शुरुआत में, एक समीक्षा में पाया गया कि Doc के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में विचारणीय प्रगति हुई है, लेकिन कई देश अपने वादों पर खरे नहीं उतरे हैं।[vii] विष्वव्यापी एक्सेस की दिशा में विकास कार्य राष्ट्रीय स्तर पर एचआईवी शिक्षा के प्रभावीपन को मूल्यांकित करने वाले विशेष संकेतकों के माध्यम से मापा जाताहै। युवा इन मानकों का प्रमुख अंश हैं, फिर भी युवाओं पर आंकड़े और अन्य महत्वपूर्ण डाटा कम होता जा रहा है और परिणामतः, एड्स संबंधी नीति–निर्धारण में युवाओं की जरूरतों को अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है।[viii] बच्चों और वयस्कों की अपेक्षा युवाओं द्वारा कम स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त की जाती है और परिवार पर राज खुलने का डर भी युवाओं को जांच करवाने तथा/अथवा उपचार से रोकता है।[ix] एचआईवी संक्रमित युवाओं के पास विशेष जरूरतें और अधिकार होते हैं जिससे नीतियों और कार्यक्रमों की रूपरेखा और कार्यान्वयन में उनके शामिल होने की मांग करते हैं।

सन् 2001 Doc के अनुसार, सदस्य राज्यों ने वादा किया था कि 2010 तक 15 से 24 आयुवर्ग के 95 प्रतिशत युवाओं को एचआईवी की सही जानकारी होगी। यद्यपि, 2007 तक केवल 40 प्रतिशत युवा पुरूषों और 36 प्रतिशत युवा महिलाओं को ही इसके संक्रमण की रोकथाम और इससे जुड़ी भ्रांतियों की सही जानकारी थी।[x]

इसलिए, इसमें कोई हैरानी नहीं कि 2007 में एचआईवी संक्रमण के 40 प्रतिशत मामले 15 आयुवर्ग के और 15 से 24 की आयु तक के लोगों के थे।[xi] हमारे पास सरकारों, विकास साझीदारों, शिक्षकों, अभिभावकों, स्वास्थ्य परिचर्या प्रदाताओं और युवाओं के साथ सूचना और सेवाओं तक की पहुंच और खुद को सुरक्षित करने की दिशा में काम करने के लिए मात्र 2 वर्ष बचे हैं।

इसके अलावा, युवाओं के खिलाफ भेदभाव और बदनामी से जुड़ी समस्याओं के उन्मूलन की दिशा में भी काम होना चाहिए; सुनिश्चित करें कि सभी युवाओं को समग्र यौन शिक्षा उपलब्ध हो और उनके पहुंच में हो; ऐसी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएं जो गोपनीय और गैर–न्यायिक हों; युवतियों और लड़कियों को भी विशेष सुविधाएं प्रदान होनी चाहिए। इन सब क्षेत्रों में, युवाओं विशेषकर एचआईवी से पीड़ित युवाओं की सक्रिय भागीदारी में वृद्धि जरूर होनी चाहिए। विष्वव्यापी एक्सेस सभी को शामिल किए बिना और सभी की भागीदारी के बिना अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंचेगा।

मैं क्या कर सकता हूं?

एचआईवी हमारे बीच 25 वर्षों से मौजूद है और युवा बड़ी तादाद में इससे लगातार संक्रमित हो रहे हैं। इससे जुड़े बदलावों में युवाओं की सक्रियता की जरूरत है। एचआईवी के फैलने और इसके पूर्वाग्रहों से पार पाने के वैश्विक प्रयासों के लिए युवा सबसे सशक्त माध्यम हैं। विष्वव्यापी एक्सेस को उसके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए हमें आपकी सहायता की जरूरत है। आप निम्न विधियों से कार्य कर सकते हैं:

- **खुद को सुरक्षित रखें और अपने साथियों की भी सुरक्षित रहने में मदद करें;**
- www.ua2010.org की मदद से **इन मुद्दों के बारे में जानकारी रखें;**
- **लॉबी नेताओं द्वारा वचनबद्धता और ये सुनिश्चित करना कि इन वचनबद्धता का पालन किया जाता है।** आपके देश में कौन एचआईवी और एड्स विषयों पर कार्य कर रहा है, उससे मुलाकात करने का प्रयास करें और सुनिश्चित करें कि युवाओं की आवाज सुनी जा सके। यह जरूरी है कि निर्णय–निर्माता युवाओं के प्रति जिम्मेदार हों और उन्हें इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि वकील और अन्य अभियानकर्ता ध्यान दे रहे हैं और अपने तथा अपने साथियों के अधिकारों के प्रति सचेत हैं;[xii]
- युवा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए युवा लोगों के संतुलित दृष्टिकोण और उनकी भिन्न जरूरतों के **प्रति सचेत रहने के लिए सरकार और नागरिक समाज को प्रयास करने चाहिए;**
- प्रमुख अवसरों पर एकजुट होकर अभियान चलाएं, जैसे विश्व एड्स दिवस (प्रतिवर्ष 1 दिसंबर को)। आप युवाओं के लिए एचआईवी और एड्स विषयों के बारे में जानकारी वेबसाइट http://www.worldaidscampaign.info/index.php/en/campaigns/key_constituencies/youth पर प्राप्त कर सकते हैं; और
- प्रसार माध्यमों तक पहुंच बनाएं – अन्य युवा कार्यकर्ताओं और अभियानकर्त्ताओं से एचआईवी और एड्स विषयों पर बात करें और अपने ज्ञान का प्रयोग सामाजिक सेवा में करें। आप 2010 तक विष्वव्यापी कार्य के मुद्दे को आगे बढ़ाने के लिए अन्य समूहों जैसे एचआईवी पीड़ित लोगों, महिलाओं, धर्मों, श्रमिकों, सांसदों, मीडिया, व्यापारियों, बच्चों, अकादमिकों और गैर–सरकारी संगठनों से भी जुड़ सकते हैं।

[i] संयुक्त राष्ट्र महासचिव की जनरल असेंबली रिपोर्ट, ''एचआईवी/एड्स पर वचनबद्धता की घोषणा और एचआईवी/एड्स पर राजनीतिक वचनबद्धता: सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों के बीचोबीच।'' 1 अप्रैल 2008।

[ii] विश्व एड्स अभियान http://www.ua2010.org/

[iii] ''MDGs – क्या हम सही राह पर हैं?'' यूएन क्रॉनिकल, खंड XLIV संख्या 4, 2007

[iv] डब्ल्यूएचओ/यूनीसेफ ''सेवा, सहयोग, उपचार और युवाओं में एचआईवी की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करने के वैश्विक प्रयास।'' (मीटिंग रिपोर्ट) ब्लेनटायर, मलावी, 2006।

[v] वैश्विक एड्स महामारी पर यूएनएड्स, 2006 रिपोर्ट।

[vi] एड्स पर संयुक्त राष्ट्र सभा 2006 की उच्चस्तरीय बैठक। विश्व को एड्स के मामले में एकजुट करने के लिए। मई 2006।

[vii] एड्स पर संयुक्त राष्ट्र सभा 2006 की उच्चस्तरीय बैठक। विश्व को एड्स के मामले में एकजुट करने के लिए। मई 2006।

[viii] कुमार, स्मिता (एलिजाबेथ ग्लेसर पेडायट्रिक फाउंडेशन), क्रिस्टिन म्मारी (जॉन्स हॉपकिंस ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ), विलियम बार्नेस (जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय), जैफ्री बर्नबॉम, ''युवा आधारित एचआईवी सेवा और उपचार की प्रोग्रामिंग पहल''। मई, 2008 यूएनएड्स 2007 एड्स महामारी पर ताजा जानकारी।

[ix] डब्ल्यूएचओ/यूनीसेफ ''सेवा, सहयोग, उपचार और युवाओं में एचआईवी की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करने के वैश्विक प्रयास''। (मीटिंग रिपोर्ट) ब्लेनटायर, मलावी, 2006।

[x] संयुक्त राष्ट्र महासचिव की जनरल असेंबली रिपोर्ट, ''एचआईवी/एड्स पर वचनबद्धता की घोषणा और एचआईवी/एड्स पर राजनीतिक वचनबद्धता: सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों के बीचोबीच।'' 1 अप्रैल 2008।

[xi] यूएनएड्स (2007) *एड्स महामारी पर ताजा जानकारी: आंतरिक स्लाइड्स: एचआईवी एवं एड्स महामारी की वैश्विक समीक्षा। यूएनएड्स, जेनेवा।* http://www.unaids.org/en/KnowledgeCentre/HIVData/Epidemiology/epi_slides.asp

[xii] www.youthaidscoalition.org